This question paper contains **3** printed pages]

HPAS (Main)—2016

PHILOSOPHY

Paper II

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 100

Note :— Attempt *Five* questions in all. Question No. **1** is compulsory. *All* questions carry equal marks.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य हैं। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (*i*) "Sex is biological; gender is socio-cultural. Explain.

(*ii*) Distinguish between *Varna* and *Asrama* Dharma.

(*iii*) Explain the notion of 'justice' as a political ideal.

(*iv*) Evaluate the doctrine which holds that "God is in everything or that God and universe are one".

(*i*) "लिंग जैविक है, यौन सामाजिक और सांस्कृतिक है।" व्याख्या कीजिए।

P.T.O.

(*ii*) वर्ण और आश्रम धर्मों में भेद कीजिए।

(*iii*) राजनैतिक आदर्श के रूप में न्याय की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

(*iv*) उस सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए जिसके अनुसार "ईश्वर सर्वव्यापी है, या ईश्वर और जगत एक ही हैं।"

2. Which theory of punishment forms the basis of capital punishment ? Can capital punishment be justified ? Give reasons in support of your answer.

दण्ड का कौनसा सिद्धान्त मृत्यु-दण्ड का आधार है? क्या मृत्यु-दण्ड का कोई औचित्य दिया जा सकता है? अपने उत्तर के पक्ष में कारण दीजिए।

3. Is mysticism necessarily in conflict with institutionalised religion ? Is it necessarily in conflict with rationality ? Discuss.

क्या रहस्यवाद संस्थागत धर्म का अनिवार्यत: विरोधी है? क्या वह बुद्धि-संगत व्याख्या का अनिवार्यत: विरोध करता है? विवेचना कीजिए।

4. Explain Gita's notions of *svadharma* and *lokasamgraha*.

गीता में प्रतिपादित स्वधर्म और लोकसंग्रह की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए।

5. Can human beings be said to be free ? Discuss.

क्या मनुष्यों को स्वतंत्र कहा जा सकता है? व्याख्या कीजिए।

6. Explain the ideal relationship between an individual and the state.

व्यक्ति और राज्य में आदर्श संबंध की व्याख्या कीजिए।

7. Bring out the role of scientific temper in the progress of a society.

समाज के उत्थान में वैज्ञानिक मिजाज की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

8. State and examine Wittgenstein's arguments for rejecting the 'picture theory of meaning' and establishing 'use theory of meaning'.

विटगेन्स्टाइन द्वारा प्रतिपादित 'अर्थ के चित्र सिद्धान्त' के निरसन और 'अर्थ के प्रयोग' सिद्धान्त के स्थापन के लिए दिए गए तर्कों की व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिए।